केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - २

रविवार, १६ जुलाई, २०१७ **समय : दोपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
	विभाग-१, कुल गुण (३८)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (३७)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''कुसंगी व्यक्ति को लेने के लिये यदि हम जा रहे हैं तो उसमें कोई दोष नहीं है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''यहाँ तो हम अपने अक्षरधाम के साथ बिराजेंगे।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''इस समय इन्द्र कोपायमान है, इसलिए वर्षा नहीं होगी।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. आहार शुद्धि का बड़ा माहात्म्य है।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. झमकूबा ने राज्य वैभव छोड़ ने का निर्णय कर लिया।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		नाम

३. शियाणी के शिवराम भट्ट महाराज के आश्रित हुए।

....

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३. 'जालमसिंह बापू' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५		नाम	प्र - ४ गुण - ५		नाम

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. आत्मानन्द स्वामी का जन्म कहाँ और कब हुआ था? (संवत्) गुण : १

.....

.....

२. चार भाई कैसे थे? गुण : १

.....

.....

३. शीतलदास किस के दर्शन के लिए कहाँ पहुँचे? गुण : १

.....

.....

४. कौन चार सद्गुरुओं ने वचनामृत ग्रंथ को तैयार किया था? गुण : १

.....

.....

५. दाजीभाई किस गाँव के निवासी थे? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ भगवान ने कहा है कि 'सत्संग के.....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. निर्विकल्प उत्तम .....

.....

..... धर्मकुमार॥ | गुण : २ | [ ]

२. आप प्रभु छो .....

.....

.....

..... साथ लई। | गुण : २ | [ ]

३. नहीं डरते .....

.....

..... गान के लिए॥ | गुण : २ | [ ]

४. न ह्यम्मयानि ..... साधवः॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

.....

.....

.....

..... | गुण : २ | [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''प्रतिष्ठा के दिन बारिश अपने आप बन्द हो जाएगी।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

२. ''आप ऐसी चिंता न करें।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

३. ''मैं पादरा जा रहा हूँ, इसी समय इक्का तैयार करके लाओ।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. द्वेषी साधु यज्ञपुरुषदासजी को हटाने की योजना बनाने लगे।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

२. डुंगर भक्त को लोग सुरत मन्दिर के कोठारी ही समझने लगे।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ६		नाम	प्र - ९ गुण - ५		नाम

३. यज्ञशाला में स्वामीश्री स्वामी की मूर्ति के सामने प्रार्थना करने लगे।

....

....

....

....

.... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. सारंगपुर की शोभा २. अटूट विश्वास

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ५		नाम	प्र - ११ गुण - ६		नाम

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. स्वामीश्री की ८५वीं जन्मजयन्ती कहाँ और कैसे मनाने का संकल्प किया? | गुण : १ |

.....

.....

२. वढवाण मन्दिर की मूर्तिओं के लिए कितनी सेवा घोषित हो गई? | गुण : १ |

.....

.....

३. डुंगरभक्त आधी रात को कैसे खेत में पहुँचे? | गुण : १ |

.....

.....

४. स्वामीश्री ने प्रथम मन्दिर कहाँ बनाना उचित समझा? | गुण : १ |

.....

.....

५. भगतजी ने यज्ञपुरुषदासजी को वडताल के साधुओं को कैसे प्रसन्न करने को कहा? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. गोवर्धनभाई बहुत हिम्मतपूर्वक स्वामीश्री का पक्ष लेते। | गुण : २ |

(१) [ ] केशवजीवनदास : 'आप इस बागी साधु का साथ क्यों देते हैं?'

(२) [ ] शास्त्री यज्ञपुरुषदास जैसे स्त्री-धन का त्यागी मैंने आज तक नहीं देखा।

(३) [ ] स्वामीश्री ने अपना आसन भगतजी के आसन के पास ही रखा था।

(४) [ ] उनकी बातें मुझे शक्कर के टुकड़े की तरह मीठी लगती हैं।

२. स्वामीश्री ने सारंगपुर मंदिर के लिए ज़मीन किस किस के पास से ली। | गुण : २ |

(१) [ ] लीमडी के ठाकुर साहब (२) [ ] दीवान झवेरभाई

(३) [ ] शेर मियाँ (४) [ ] हरिलाल अमीन

३. हृदय की स्वच्छता का साधन | गुण : २ |

(१) [ ] काशी जाने की आज्ञा।

(२) [ ] अक्षर-पुरुषोत्तम की उपासना की बातें भी किया करते।

(३) [ ] राजकोट में रंगाचार्य के पास पढ़ाई प्रारम्भ की।

(४) [ ] जागा भक्त के साथ भी स्वामीश्री का सम्पर्क बना रहे।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ६		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **गुणातीत के लिए सिर मुँडवाया है :** एरनसाहब के गले में यह बात बस गई। वे ठाकुरजी के दर्शन के लिए गढपुर पधारे। भगतजी ने उनका उचित सम्मान किया।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

२. **दुर्गपुर में भव्य मन्दिर का खातमुहूर्त :** सं. २०७६ मार्गशीर्ष कृष्णा द्वादशी को मन्दिर का भूमिपूजन हुआ। इस अवसर पर स्वामीश्री ने जूनागढ के पूर्व महाराजा रणजितकुमारसिंहजी, जो कि उस समय ओरिस्सा के गवर्नर पद पर सेवारत थे, के करकमलों से संपन्न किया।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

३. **विषम देशकाल :** कई स्नेही संत मिलकर भगतजी को समझा रहे थे कि उनको शीध्र ही गढडा रुक जाना चाहिए। क्योंकि द्वेषी हरिभक्त न जाने क्या कर बैठे!

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

४. **चमत्कार की परंपरा :** लेकिन, झीणाभाई तो देह-प्राण समेटकर सुषुप्ति अवस्था में लीन होकर भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति के कीर्तन में लीन हो गए थे।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

५. **अटलादरा में मन्दिर का प्रारंभ :** वलसाड के वैष्णवी सम्प्रदाय के गुरु पूजनीय रामप्रियाचार्यजी समाधि का प्रचार देखकर ठाकोरजी के प्रति अत्यंत आकर्षित हुए।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

६. **अद्वितीय विद्वत्ता :** महिधरशास्त्रीजी तुरंत तैयार हो गए। वे पहले जामनगर पहुँचे। वहाँ सांख्य मत के आचार्य के साथ शास्त्रार्थ करके उनको पराजित किया और बोटाद आ पहुँचे।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**